मुख्य मंत्री
बिहार

पटना

दिनांक 24.07.2020

संदेश

यह जानकर खुशी हुई कि बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड, पटना के ज़रीये 2019–2020 के रिपोर्ट कार्ड की एशाआत किया जा रहा है, जो एक क़ाबिल–ए–क़दर क़दम है।

बिहार के अक़लीयती आबादी की तालीमी ज़रूरतों की तक्मील, इसलाह, फलाह व बहबूद और पसमांदगी को दूर करने में मदरसों के किरदार और ताअवुन को कभी फरामोश नहीं किया जा सकता है। रियासती हकूमत निसाब में ज़रूरी इस्लाह, बुनियादी ज़रूरतों की तक्मील के लिए रक़म की दस्तीयाबी, उस्तादज़ाकराम की तनख़्वाह की बा–वक़्त अदायगी, ईमारतों की तामीर व तौसीअ और दूसरे ज़रूरी इसलाही अक़दाम कर मदरसों के फरोग़, बक़ा, तहफ़ुज़ और इस्तेहकाम के लिए पुर–अज़्म और कोशाँ है। रिपोर्ट कार्ड की एशाआत इसी की एक कड़ी है। मुझे यक़ीन है कि रिपोर्ट कार्ड की एशाआत से रियासत में क़ायम मदरसों की मौजूदा कारकर्दगी, माली ज़रूरत, तालीमी मयार, दीगर मशाग़िल और मुस्तक़बिल के लाह–ए–अम्ल से तालिब–ए–इल्मों, उस्तादज़ाकराम, बहीख़ाहों, सरपस्तों एवं आवाम–उल–नास को रौशनास कराने में मदद मिलगी।

मैं तालिब–ए–इल्मों के रौशन मुस्तक़बिल और रिपोर्ट कार्ड की कामयाब एशाअत और उसकी वसी अफादियत के लिए नेक ख़ाहिशात पेश करता हूँ।

(नीतीश कुमार)